HINDI

खण्ड - 'क'

प्र1. (क) कबीर की साखियाँ इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उन्होंने अपनी साखियों द्वारा ही समाज के लिए एक विशाल ज्ञानमार्ग खोला। (1)

(ख) कबीर ने समाज में फैले बाह्याडंबर, भेदभाव, साम्प्रदायिकता आदि का दृढ़ विरोध किया। (1)

(ग) कबीर ने ऊँचा नाम रखकर संसार को ठगने वालों के नकली चेहरों को सबके सामने उजागर किया और कमज़ोरों को ऊपर उठने का उपदेश देकर सबके सामने एक महान आदर्श प्रस्तुत किया। (1)

(घ) कबीर के साम्प्रदायिकता विरोधी तर्क अकाट्य इसलिए थे क्योंकि उसका व्यक्तित्व इतना ऊँचा था कि उनके सामने टिक सकने की हिम्मत किसी में नहीं थी। (1)

(ङ) संत कबीर ने कर्म, सेवा, अहिंसा तथा निर्गुण मार्ग का प्रसार किया। (1)

प्र2. (क) (iii) लहरें

(ख) (ii) भूरा

(ग) (i) ध्यानमग्न होने के कारण

(घ) (iv) मछली देखकर (5)

(ङ) (iii) खा जाता है

प्र3. (क) 1. जगदीश (1)

(ख) 1. अहम + कार (1)

प्र4. 2. उड़ान (1)

प्र5. (क) 1. रात - रात्रि, निशा
3. उपहार - भेंट, तोहफा (2)

(ख) दुर्भावना (1)

(ग) अनुकरणीय (1)

प्र6. (क) (1) इच्छाबोधक वाक्य (1)
(2) शायद कल बारिश हो। (1)

(ख) (1) सरल वाक्य (1)
(2) बच्चे घर चले गए क्योंकि छुट्टी हो गई।

प्र7. (क) 1. पीला है अंबर जिसका (श्री कृष्ण) - बहुव्रीहि समास (1)

(ख) प्राणप्रिय - कर्मधारय समास (1)

प्र8.	(क) नाक वाला होना।

अर्थ → मान-सम्मान वाला होना

वाक्य → ~~वाक्य~~ राम बहुत अच्छी नौकरी करता है और पैसे भी बहुत अच्छे कमाता है और साथ ही उसमें बहुत-से गुण भी हैं इसलिए वह बहुत <u>नाक वाला</u> है।

(ख) [illegible] छाप छोड़ता है।

प्र9.	श्लेष अलंकार

परिभाषा → जहाँ शब्द तो एक ही बार प्रयुक्त हुआ ~~है~~ हो परंतु एक से अधिक अर्थ हों, वहाँ श्लेष अलंकार होता है।

उदाहरण → मधुबन की छाती को देखो, सूखी इसकी कितनी कलियाँ।

यहाँ 'कली' शब्द एक ही बार आया है। परंतु उसके दो अर्थ हैं - 1. खिलने से पूर्व फूल की स्थिति 2. यौवन पूर्व की अवस्था

(प्र - 10, 11, 12, 13 अंत में हैं।)